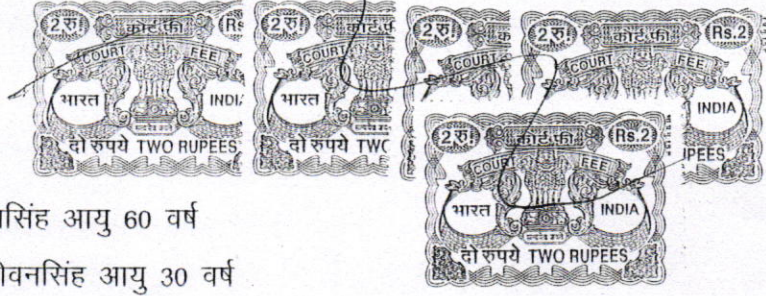


PBR) अपील / खण्डवा / भू.सं. / 2017/2255 12

न्यायालय श्रीमान् कलेक्टर महोदय खण्डवा जिला खण्डवा

राजस्व अपील :-

प्रस्तुत दिनांक :-



1. जीवनसिंह पिता रूपसिंह आयु 60 वर्ष
 2. जितेन्द्रसिंह पिता जीवनसिंह आयु 30 वर्ष
 3. संजयसिंह पिता जीवनसिंह आयु 25 वर्ष
- तीनों निवासी ग्राम काल्दाखेडी तह.एवं जिला खंडवा

.....अपीलार्थीगण

विरुद्ध

1. अर्जुनसिंह पिता गजराजसिंह राजपूत आयु 40 वर्ष
निवासी ग्राम काल्दाखेडी तह.एवं जिला खंडवा

—प्रतिअपीलार्थी

पुनरीक्षण अपील धारा 50 म.प्र.भू.राजस्व संहिता।

अपीलार्थीगण का निम्नलिखित निवेदन है :-

अपीलार्थीगण ने यह अपील विद्वान निम्न न्यायालय तहसीलदार महोदय छैगांव माखन द्वारा ग्राम काल्दाखेडी तहसील खण्डवा के राजस्व प्रकरण कमांक 83/70 16-17 मे पारित आदेश दिनांक 08.06.2017 से असंतुष्ट, दुखित एवं पीडित होकर प्रस्तुत की है।

प्रकरण के तथ्य

1. यह कि प्रतिअपीलार्थी के द्वारा असत्य एवं झूठे आधारों पर भू राजस्व संहिता अंतर्गत धारा 250 के तहत प्रकरण अपीलार्थीगण के विरुद्ध ग्राम काल्दाखेडी के खसरा नं. 263 रकबा 0.07 हे. भूमि पर से अपीलार्थीगण का वैध कब्जा हटाये जाने बाबद् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था। उक्त आवेदन पत्र को माननीय तहसीलदार महोदय वृत्त छैगांव माखन द्वारा गुण दोषों पर निराकृत किए बिना ही अपीलार्थी के पक्ष में दिनांक 08.06.17 को आदेश पारित कर दिए है उक्त आदेश से असंतुष्ट एवं पीडित होकर निम्न आधारों पर यह अपील प्रस्तुत है।

निरं.....02

जातिनाम

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग—अ

प्रकरण क्रमांक अध्यक्ष/निगरानी/भूरा./2017/2255/~~खण्डवा~~

| स्थान दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर |
|---|---|--|
| <p style="text-align: center;">२-८-१७</p> | <p>आवेदक के अधिवक्ता श्री एस० के० अवस्थी उपस्थित। आवेदक अधिवक्ता द्वारा न्यायालय नायब तहसीलदार छैगांव माखन जिला खण्डवा के प्रकरण क्रमांक ८/अ-७०/२०१६-१७ में पारित आदेश दिनांक ०८.०६.१७ के विरुद्ध म० प्र० भू-राजस्व संहिता १९५९ की धारा ५० के अन्तर्गत यह निगरानी प्रस्तुत की गई है। लेकिन भूलवश दायरा क्लर्क द्वारा अपील में दर्ज कर दी गई है। प्रकरण का निराकरण धारा-५० के अंतर्गत किया जा रहा है। प्रकरण के साथ स्थगन संबंधी आवेदन मय शपथ पत्र के प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>२-प्रकरण का सारांश यह है कि अनावेदक द्वारा ग्राम काल्दाखेडी के खसरा न० २६३ रकबा ०.०७ है० भूमि पर से आवेदक का वैध कब्जा हटाये जाने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया थ । उक्त आवेदन पत्र को नायब तहसीलदार वृत्त छैगाव माखन द्वारा बिना आवेदक के सुने कब्जा हटाये जाने का आदेश दिनांक ८.६.१७ पारित किया है इससे परिवेदति होकर यह निगरानी इस न्यायालय में प्रस्तुत की गई है।</p> <p>३- आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने तर्कों में उन्हें तथ्यों को दोहराया गया हे जोउनके द्वारा अपनी निगरानी में उल्लेख किया गया है। प्रकरण में उपलब्ध दस्तावेजों का अध्ययन किया गया। अध्ययन करने पर पाया गया कि ग्राम काल्दाखेडी के खसरा न० २६३ रकबा ०.०७ है० भूमि अनावेदक द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र सेकय की गई है और कय दिनांक से ही उसका</p> | |

प्रकरण क्रमांक अध्यक्ष/निगरानी/भूरा./2017/2255

कब्जा है लेकिन आवेदक द्वारा उक्त भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदन में बताया गया है कि ग्राम काल्दाखेडी के खसरा न० 263 रकबा 0.07 है० राजस्व अभिलेखों में अनावेदक अजुर्नसिंह पिता गजराजसिंह के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि पर आवेदक जीवन सिंह का लगभग दो वर्षों से कब्जा है। हल्का पटवारी के प्रतिवेदन के आधार पर एवं साक्षियों के गवाहों के अनुसार नायब तहसीलदार छैगांव माखन जिला खण्डवा के प्रकरण क्रमांक 8/अ-70/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 08.06.17 में आदेश पारित करने में कोई विधिक त्रुटि नहीं की गई है। परिणामस्वरूप आवेदक द्वारा प्रस्तुत निगरानी सारहीन होने से अग्राह की जाती है।


सदस्य

